समग्र गव्य विकास योजना की सफलता की कहानी

1. श्री संतोष कुमार, ग्राम–चौरिया, नालंदा की "समग्र गव्य विकास योजना" में सफलता की कहानी

श्री संतोष कुमार

पिता – श्री हरिवंश प्रसाद

ग्राम – चौरिया,

पो0 – सोसन्दी

प्रखंड – हरनौत,

जिला – नालंदा

मो0 – 8792683795

श्री संतोष कुमार कहते है कि वे बैंगलोर से इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने के बाद वे अपने क्षेत्र में ही रोजगार करना चाहते थे। शहरी परिवेश में कम आय एवं रोजगार की अनिश्चिता के कारण एवं ग्रामीण परिवेश से जुडे रहने के कारण मैंने अपने गाँव में स्वंय के रोजगार के साथ–साथ अन्य लोगों को भी रोजगार मुहैया कराने का संकल्प लिया। इसी क्रम में मुझे गव्य विकास निदेशालय की समग्र गव्य विकास योजना के बारे में पता चला और इसमें मुझे अपना और अन्य ग्रामीणों के लिए भी एक रोजगार का सुनहरा अवसर दिखाई दिया।

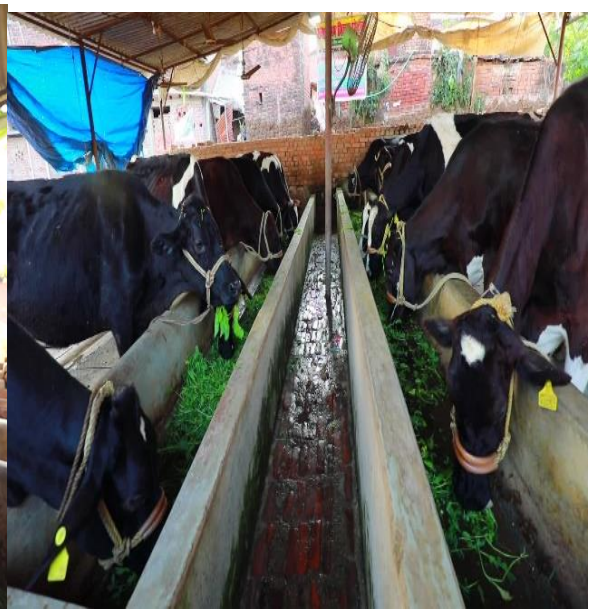

गाय पालन के फायदे :–

समग्र गव्य विकास योजना के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए मैंने जिला गव्य विकास कार्यालय, नालन्दा से सम्पर्क किया और निदेशालय द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों के किसानों/दुग्ध उत्पादकों के लिए चलाए जा रहे विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की।

मुझे गव्य विकास कार्यालय एवं वहाँ के पदाधिकारी का सहयोग प्राप्त हुआ तथा मैंने उनके सुझाव पर कार्यालय में गव्य विकास निदेशालय के वर्ष 2018–19 में 10 दुधारू मवेशी की योजना के लिए अपना आवेदन दिया। जिसके बाद मुझे योजना का लाभ मिला तथा मैंने अपने गाँव में ही डेयरी की शुरूआत की जिसमें अन्य ग्रामीण लोंगों को रोजगार देने के साथ–साथ खुद के लिए भी एक सतत् वृद्धि एवं आय का एक माध्यम प्राप्त हुआ।

10 दुधारू मवेशी की योजना में मुझें रूपये 9,80,000.00 का एक प्रोजेक्ट मिला जिसमें 10 दुधारू मवेशी, मवेशीयों के लिए शेड का निर्माण तथा एक खोया मशीन की खरीदारी भी शामिल था। योजना के सफल क्रियान्वयन के बाद मुझे निदेशालय द्वारा रूपये 4,90,000.00 का अनुदान भी प्राप्त हुआ।

गाय पालन (डेयरी विकास) के परिणाम :–

अभी वर्त्तमान में मेरे पास कुल 25 दुधारू मवेशी हैं तथा प्रतिदिन 150 लीटर से ज्यादा का दूध उत्पादन होता हैं। प्रतिदिन उत्पादित दूध में से मैं सुधा को दूध का आपूर्ति करने के पश्चात् एक Daily Milk (Full Cream Milk) के नाम से बाजार में बंद बोतल दूध का बिक्री भी करता हूँ। दूध की बिक्री के पश्चात् जानवर के गोबर से भी कृषि के लिए खाद एवं अन्य विभिन्न तरीकें से भी आय की प्राप्ति होती हैं। वर्त्तमान में इस रोजगार के कारण मेरे एवं मेरे परिवार का सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति पूरी तरह से बदल गई हैं। मुझे इस रोजगार से वार्षिक 5,00,000 से 5,50,000 का विशुद्ध लाभ की प्राप्ति हो जाती हैं।

मेरे इस सफलता का सारा श्रेय मैं गव्य विकास निदेशालय को देना चाहता हूँ। आज भी गव्य विकास निदेशालय के अधिकारियों का मुझे पूरा सहयोग मिलता रहता हैं।

संदेश :–

श्री संतोष कुमार का कहना है कि जो लोग बेहतर रोजगार के लिए आमतौर पर अपने क्षेत्र या राज्य से बाहर पलायन कर जाते है वे भी गव्य विकास निदेशालय से जुड़ कर अपने एवं लोगों को भी बेहतर रोजगार प्रदान कर सकते हैं।

समाप्त।